MALUKA IAS

TO THE POINT

प्रीलिम्स 2024

करेंट अफेयर्स

SEPT. 2023 -NOV. 2023

99101-33084 www.malukaias.com

Buy Now

PDF ₹100

HARD COPY ₹125

HARD COPY HOME DELIVERY ₹200

Buy Now

PDF ₹100

HARD COPY ₹125

HARD COPY HOME DELIVERY ₹200

TO THE POINT – CURRENT AFFAIRS (SEPT 2023 – NOV 2023)

TABLE OF CONTENTS	PAGE NO.
1) कृषि ***1. रबड़*** ***2. विश्व कॉफ़ी सम्मेलन*** ***3. गोवा के काजू को GI टैग मिला*** ***4. पिंक बॉलवर्म*** ***5. राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड (NTB)*** ***6. वर्ल्ड फूड इंडिया 2023*** ***7. लद्दाख सी बकथॉर्न और केरल ओनाट्टुकारा तिल*** ***8. इंटरनेशनल ट्रॉपिकल टिम्बर काउंसिल***	**1-7**
2) पर्यावरण और पारिस्थितिकी ***1. रेड सैंड बोआ*** ***2. कृंतक-पकड़ने वाला गोंद जाल*** ***3. उमियम झील*** ***4. तेंदुओं की नसबंदी (स्टारलाइजेशन)*** ***5. समुद्र प्रहरी*** ***6. अफ़्रीका में शेरों की घटती संख्या*** ***7. स्टंप-टेल्ड मकाक*** ***8. अमेरिकन XL बुली कुत्ते*** ***9. नीलगिरि तहर*** ***10. फिश मिंट*** ***11. कोनोकार्पस पौधे*** ***12. बोल्सन कछुआ*** ***13. गैंडों*** ***14. अरेबियन भेड़िया और अरेबियन तेंदुआ*** ***15. तिलापिया पार्वोवायरस*** ***16. भारत स्टेज उत्सर्जन मानक*** ***17. लेमरू हाथी गलियारा*** ***18. अंटार्कटिक क्रिल*** ***19. हाइड्रिला*** ***20. पेंटब्रश स्विफ्ट बटरफ्लाई*** ***21. कछुआ तस्करी नेटवर्क*** ***22. प्लैटिपस*** ***23. गंगा नदी डॉल्फ़िन*** ***24. बादिस लिमाकुमी*** ***25. अमेज़न नदी डॉल्फिन*** ***26. आर्मगेडन रीडटेल*** ***27. एशियाई जंगली कुत्ता (ढोले)*** ***28. पिग्मी हॉग*** ***29. काइमेरा*** ***30. ज़ाग्लोसस एटनबरोई*** ***31. जगुआर***	**8-34**

32. घोल फिश *33. स्टर्जन* *34. इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल*	
3) भूगोल *1. इडुक्की बांध* *2. इंटेलिजेंट वॉटर बॉडी मैनेजमेंट सिस्टम-तमारा* *3. नर्मदा नदी* *4. हुंगा टोंगा-हुंगा हा'आपाई ज्वालामुखी* *5. गैलेक्टिक ज्वार* *6. काओबल गली-मुश्कोह घाटी* *7. व्यापार योग्य हरित क्रेडिट* *8. राफा सीमा* *9. कारमन रेखा* *10. उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना* *11. गाज़ा पट्टी* *12. चक्रवात -2023* *13. बटागाइका क्रेटर* *14. केन-बेतवा लिंक परियोजना* *15. टिटिकाका झील* *16. माउंट एटना* *17. नेस्ट पहल* *18. ई प्राइम लेयर* *19. लद्दाख में नाइट स्काई सैंक्चुअरी* *20. हिंद महासागर ट्रूना आयोग* *21. लोकटक झील परियोजना*	**35-50**
4) विज्ञान और प्रौद्योगिकी *1. होरिजन यूरोप अनुसंधान कार्यक्रम* *2. नासा का पहला क्षुद्रग्रह नमूना पृथ्वी पर उतरा* *3. नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (NISAR)* *4. संज्ञानात्मक कंप्यूटिंग (Cognitive Computing)* *5. थैलियम* *6. डार्क मैटर और डार्क एनर्जी के लिए यूक्लिड मिशन* *7. गामा-रे विस्फोट* *8. फ्रीमार्टिन* *9. नासा का डीप स्पेस ऑप्टिकल कम्युनिकेशंस (DSOC)* *10. JUICE मिशन* *11. चीन का 'नियर-स्पेस कमांड'* *12. नासा का साइके मिशन*	**51-58**
5) अर्थव्यवस्था *1. एशियाई विकास बैंक* *2. मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान* *3. बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण योजना*	**59-74**

4. NPCI द्वारा नए भुगतान विकल्प *5. अनिवार्य हॉलमार्किंग* *6. उद्यमिता साझेदारी के लिए शिक्षा* *7. आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना* *8. ग्रीन नज (GREEN NUDGES)* *9. दिल्ली-मेरठ RRTS कॉरिडोर* *10. प्रॉक्सी सलाहकार फर्म* *11. कॉपीराइट का उल्लंघन और पासिंग ऑफ* *12. इचामती नदी* *13. ऊर्जा दक्षता सर्विसेज लिमिटेड (EESL)* *14. ब्लू फ्लैग प्रमाणीकरण* *15. नेशनल एफिशिएंट कुकिंग प्रोग्राम* *16. ट्रैफ़िक कोलिजन अवॉइडेंस प्रणाली (TCAS): कवच* *17. अंतर्राष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट (ICTP)* *18. सामाजिक बॉन्ड*	
6) अंतरराष्ट्रीय संबंध *1. दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संघ (आसियान)* *2. लैंपेडुसा द्वीप* *3. महिला 20 शिखर सम्मेलन 2023* *4. 'नाटो प्लस फाइव' स्थिति* *5. जेद्दा* *6. पापुआ न्यू गिनी* *7. हैती में संयुक्त राष्ट्र द्वारा अनुमोदित बहुराष्ट्रीय सुरक्षा मिशन* *8. अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कानून* *9. फिलिस्तीनी कौन हैं?* *10. भारत-जापान कोष* *11. हिंद महासागर रिम एसोसिएशन* *12. ऑपरेशन अजय* *13. एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC)*	**75-84**
7) राजव्यवस्था *1. आदिवासियों के लिए सरना धार्मिक कोड* *2. विचार की स्वतंत्रता के लिए सखारोव पुरस्कार* *3. नये जिलों का निर्माण* *4. एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड प्रणाली* *5. e-FIR* *6. कानूनी साक्षरता और कानूनी जागरूकता कार्यक्रम (LLLAP)* *7. पारस्परिक कानूनी सहायता संधि (MLAT)* *8. इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार*	**85-92**
8) शासन और सामाजिक न्याय *1. भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (FTII)* *2. खुदरा विक्रेता कौशल विकास कार्यक्रम* *3. व्हाइट केन दिवस (सफेद छड़ी दिवस)*	**93-111**

4. इंडियास्किल्स 2023-24 *5. मिशन महिला सारथी* *6. प्रधान मंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (PM-AJAY)* *7. अग्नि पहल* *8. प्रथम WHO पारंपरिक चिकित्सा वैश्विक शिखर सम्मेलन 2023* *9. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (PCOS)* *10. वेगस तंत्रिका* *11. स्क्रब टाइफस* *12. निपाह वायरस* *13. हेपेटाइटिस C को खत्म करने की दिशा में मिस्र की "गोल्ड टायर" स्थिति* *14. हीमोग्लोबिन* *15. मंकीपॉक्स वायरस* *16. राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2023* *17. निष्ठा (नेशनल इनीसिएटिव फॉर स्कूल हेड्स एंड टीचर्स होलीस्टिक एडवांसमेंट)* *18. मालवीय मिशन* *19. विद्या समीक्षा केंद्र* *20. पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री)* *21. सम्मक्का सरक्का केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय* *22. साथी पोर्टल* *23. पोषण अभियान*	
9) आंतरिक सुरक्षा *1. वरुण-23* *2. संगठित अपराध एवं भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग परियोजना (OCCRP)* *3. धनुष तोप* *4. भारत के एयरक्राफ्ट कैरियर* *5. एक्सरसाइज युद्ध अभ्यास-23* *6. फाइव आइज़ एलायंस* *7. भारत-इंडोनेशिया-ऑस्ट्रेलिया त्रिपक्षीय समुद्री अभ्यास* *8. परमाणु ब्रीफ़केस* *9. ऑपरेशन चक्र II* *10. प्रोजेक्ट उद्भव* *11. अभ्यास हरिमऊ शक्ति 2023* *12. भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP)* *13. प्रोजेक्ट वीर गाथा 3.0* *14. भारत NCX 2023* *15. मिग -21* *16. ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते'* *17. निर्भय क्रूज मिसाइल* *18. मित्र शक्ति अभ्यास* *19. वज्र प्रहार अभ्यास* *20. राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC)* *21. आईएन-यूएसएन बचाव और विस्फोटक आयुध निपटान अभ्यास - साल्वेक्स*	**112-124**
10) कला और संस्कृति	**125-139**

1. मानव विकास में बाधा (बॉटलनेक) *2. पश्चिम बंगाल ने पोइला बैसाख को राज्य स्थापना दिवस के रूप में अपनाया* *3. रोश हशनाह* *4. गोंड कला* *5. पुरी मंदिर रत्न भंडार* *6. मेरी माटी, मेरा देश अभियान* *7. वज्र मुष्टि कालागा* *8. टोटो भाषा* *9. बेकल किला* *10. वाघ नख* *11. सरस्वती सम्मान* *12. यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क (UCCN)* *13. ब्रिटिश अकादमी पुस्तक पुरस्कार* *14. अमरनाथ यात्रा* *15. छठ पूजा* *16. गुरु तेग बहादुर* *17. बुकर पुरस्कार 2023* *18. ओडिशा की बाली यात्रा* *19. कालबेलिया नृत्य* *20. लाचित बोरफुकन*	
11) मिसलेनियस (MISCELLANEOUS) *1. रेमन मैग्सेसे पुरस्कार* *2. 2023 सस्त्र रामानुजन पुरस्कार* *3. प्रधान मंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार* *4. लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में पांच खेल शामिल* *5. रोहिणी नैय्यर पुरस्कार 2023* *6. टाइम आउट नियम* *7. फिडे ग्रैंड स्विस ओपन* *8. ग्लाइफोसेट*	**140-145**

कृषि

1. रबड़

रबर बोर्ड, **केंद्र सरकार और ऑटोमोटिव टायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के साथ साझेदारी में**, सिक्किम को छोड़कर, लेकिन पश्चिम बंगाल सहित पूर्वोत्तर राज्यों में **प्राकृतिक रबर के लिए समर्पित क्षेत्र को बढ़ाने** के लिए एक परियोजना का नेतृत्व कर रहा है।
रबर के प्राथमिक उपभोक्ता, टायर निर्माताओं ने 2021 में शुरू हुई इस पांच साल की परियोजना के लिए ₹1,000 करोड़ का वादा किया है।

भारत में वर्तमान रबर परिदृश्य

- प्राकृतिक रबर एक **बहुउपयोगी और आवश्यक कच्चा माल** है जो कुछ पौधों की प्रजातियों के लेटेक्स या दूधिया रस से प्राप्त होता है, मुख्य रूप से रबर के पेड़ को वैज्ञानिक रूप से **हेविया ब्रासिलिएन्सिस** के रूप में जाना जाता है।
- इस लेटेक्स में कार्बनिक यौगिकों का एक जटिल **मिश्रण** होता है, जिसका प्राथमिक घटक पॉलीआइसोप्रीन नामक बहुलक होता है।

जलवायु स्थितियाँ

• **2000 - 4500 मिमी वार्षिक वर्षा** वाली उष्णकटिबंधीय जलवायु कृषि के लिए उपयुक्त है।	• इसके लिए **4.5 से 6.0 के अम्लीय PH** और उपलब्ध फास्फोरस की अत्यधिक कमी वाली गहरी और लेटराइट उपजाऊ मृदा की आवश्यकता होती है।
• न्यूनतम और अधिकतम तापमान **25 से 34 डिग्री सेल्सियस** के बीच होना चाहिए और 80% सापेक्ष आर्द्रता कृषि के लिए आदर्श है।	• **तीव्र पवनों वाले क्षेत्रों से बचना** चाहिए।
• **वर्ष भर प्रतिदिन 6 घंटे की दर** से अर्थात प्रति वर्ष लगभग 2000 घंटे तक तेज धूप की आवश्यकता होती है।	

रबर उत्पादन और खपत

भारत वर्तमान में प्राकृतिक रबर का **विश्व का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक** है, जबकि यह वैश्विक स्तर पर सामग्री का **दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता** भी बना हुआ है। (भारत की कुल प्राकृतिक रबर खपत का लगभग 40% वर्तमान में आयात के माध्यम से पूरा किया जाता है)

रबर वितरण

- इस **रबर की खेती का बड़ा भाग**, लगभग 5 लाख हेक्टेयर, दक्षिणी राज्यों केरल और तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में केंद्रित है।
- इसके अतिरिक्त, **त्रिपुरा रबर उत्पादन में लगभग 1 लाख हेक्टेयर का योगदान** देता है।
- फिलहाल, भारत में लगभग 8.5 लाख हेक्टेयर रबर के बागान हैं।
- प्रमुख रबर **उत्पादक राज्यों** में शामिल हैं: केरल, तमिलनाडु, त्रिपुरा और असम।

प्रमुख अनुप्रयोग

• **टायर निर्माण**: रबर अपनी उत्कृष्ट पकड़ और घिसावट प्रतिरोध के कारण **टायर उत्पादन में एक प्रमुख घटक** है।	• **ऑटोमोटिव पार्ट्स**: सील, गास्केट, होसेस और वाहनों के विभिन्न घटकों में उपयोग किया जाता है।
• **जूते**: आमतौर पर इसके कुशनिंग और स्लिप-प्रतिरोधी गुणों के लिए **जूते के तलवों में उपयोग** किया जाता है।	• **औद्योगिक उत्पाद**: कन्वेयर बेल्ट, होसेस और मशीनरी घटकों में पाए जाते हैं।
• **चिकित्सा उपकरण**: दस्ताने, सिरिंज प्लंजर और चिकित्सा उपकरणों में उपयोग किया जाता है।	• **उपभोक्ता वस्तुएं**: गुब्बारे, इरेज़र और घरेलू दस्ताने जैसे उत्पादों में उपयोग किया जाता है।
• **खेल का सामान**: टेनिस बॉल, गोल्फ बॉल और सुरक्षात्मक गियर जैसी वस्तुओं में पाया जाता है।	

रबर बोर्ड

- रबर बोर्ड **रबर अधिनियम, 1947** की धारा (4) के तहत गठित **वैधानिक संगठन** है तथा **वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत कार्य करता है।**
- बोर्ड का **नेतृत्व केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त अध्यक्ष** करता है और इसमें प्राकृतिक रबर उद्योग के विभिन्न हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले **28 सदस्य** हैं।
- बोर्ड का **मुख्यालय केरल के कोट्टायम** में स्थित है।
- बोर्ड रबर से संबंधित अनुसंधान, विकास, विस्तार और प्रशिक्षण गतिविधियों को सहायता और प्रोत्साहित करके देश में रबर उद्योग के विकास के लिए जिम्मेदार है।

2. विश्व कॉफ़ी सम्मेलन

विश्व कॉफी सम्मेलन (WCC) और एक्सपो 2023 **एशिया में पहली बार भारतीय शहर बेंगलुरु में आयोजित** हुआ।
WCC के **5वें संस्करण का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन** (ICO) द्वारा भारतीय कॉफी बोर्ड, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार और कर्नाटक सरकार के **सहयोग से किया गया** था।

विश्व कॉफी सम्मेलन 2023 की मुख्य विशेषताएं

- WCC एक **द्विवार्षिक कार्यक्रम** है जो ICO द्वारा आयोजित किया जाता है, जो एक संयुक्त राष्ट्र-संबद्ध निकाय है जो वैश्विक कॉफी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है।
- WCC संवाद, ज्ञान आदान-प्रदान, नेटवर्किंग और उद्योग की चुनौतियों और अवसरों पर सहयोग के लिए **विश्व भर के कॉफी हितधारकों को एकजुट करता है।**

2023 के लिए थीम

- सस्टैनबिलिटी थ्रू सर्कुलर इकोनॉमी ऐन्ड रीजेनरेटिव एग्रीकल्चर' है।
- **WCC 2023 के जैव विविधता ऐम्बैसडर:**
- भारत के कॉफी फार्मों से, सम्मेलन और एक्सपो के लिए 5 वनस्पतियों और 5 जीव-जंतुओं को ऐम्बैसडर बनाया है।

WCC 2023 का शुभंकर (Mascot)

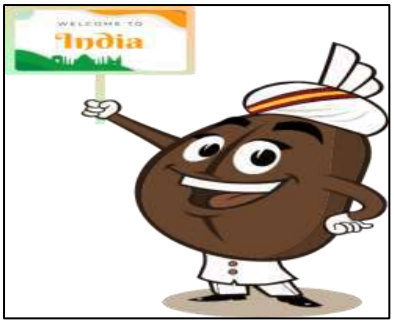

- 5वें WCC का आधिकारिक शुभंकर कॉफी स्वामी, भारतीय परंपरा को समकालीन अपील के साथ सहजता से जुड़ाव का प्रतीक है।

पर्यावरण और पारिस्थितिकी

1. रेड सैंड बोआ

हाल ही में, **वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन सोसाइटी (WCS)-इंडिया** की 'भारत में रेड सैंड बोआ का अवैध व्यापार **2016-2021' शीर्षक** वाली एक **रिपोर्ट ने रेड सैंड बोआ के व्यापार का खुलासा किया है।**
रेड सैंड बोआ के अवैध व्यापार के बारे में **गंभीर चिंता और संरक्षण प्रयासों की तात्कालिक आवश्यकता को रेखांकित** करता है।

रिपोर्ट के महत्वपूर्ण निष्कर्ष

• रिपोर्ट में 2016 और 2021 के बीच रेड सैंड बोआ से जुड़ी जब्ती की कुल 172 घटनाओं का दस्तावेजीकरण किया गया है, जिससे **अवैध व्यापार की खतरनाक सीमा का पता** चलता है।	• अवैध व्यापार 18 भारतीय राज्यों, 1 केंद्र शासित प्रदेश और 87 जिलों तक फैला है; **महाराष्ट्र और यूपी में सबसे ज्यादा घटनाएं दर्ज की गईं।**
• **59 मामलों के साथ महाराष्ट्र का दबदबा है,** जिसमें पुणे, ठाणे, मुंबई उपनगरीय जैसे शहरी क्षेत्र भी शामिल हैं।	• उत्तर प्रदेश 33 घटनाओं पर बारीकी से नज़र रखता है, जो अक्सर नेपाल की सीमा के पास, जैसे कि बहराईच और लखीमपुर-खीरी जैसे जिलों में होती हैं।
• सोशल मीडिया, विशेष रूप से यूट्यूब, 2021 में 200 बिक्री-प्रचार वीडियो के साथ, अवैध व्यापार में सहायता करता है।	• रिपोर्ट के निष्कर्ष रेड सैंड बोआ की **आबादी में गिरावट को रोकने और भारत की जैव विविधता की रक्षा** के लिए संरक्षण प्रयासों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

रेड सैंड बोआ (एरिक्स जॉनी)

- सामान्यतः इसे इंडियन सैंड बोआ कहा जाता है, यह एक **गैर विषैली प्रजाति** है और मुख्य रूप से लाल-भूरे रंग का और मोटे बालों वाला सांप है जो औसतन 75 सेमी की लंबाई तक बढ़ता है।
- अधिकांशa सांपों के विपरीत, **पूंछ लगभग शरीर जितनी मोटी होती** है और सरीसृप को **"दो सिरों" का आभास** देती है।
- रेड सैंड बोआ **विश्व के सैंड बोआ में सबसे बड़ा** है। रात्रिचर और अपना अधिकांश समय जमीन के नीचे बिताता है।

वितरण	उत्तर-पूर्वी राज्यों और उत्तर-बंगाल को छोड़कर पूरे भारत में पाया जाता है; **भारतीय द्वीपों में भी नहीं पाया जाता** है।
स्थिति	IUCN लाल सूची: **निकट संकटग्रस्त** CITES: **परिशिष्ट II** भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972: **अनुसूची IV**
संकट	मानव बस्तियों एवं गतिविधियों का विस्तार। पालतू पशुओं के व्यापार के साथ-साथ काले जादू में उपयोग की मांग में वृद्धि। कथित औषधीय लाभों के लिए शिकार किया गया।

वन्यजीव संरक्षण सोसायटी (WCS)-भारत

- WCS-इंडिया (संघ का उद्देश्य वाणिज्य, कला, विज्ञान, धर्म, दान या किसी अन्य उपयोगी उद्देश्य को बढ़ावा देना है और इसका कोई लाभ उद्देश्य नहीं है) **भारत में गैर-लाभकारी संगठन**, संरक्षण के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है।
- यह भारतीय नियमों के पूर्ण अनुपालन में संचालित होता है, जो देश के प्राकृतिक पर्यावरण और इसकी समृद्ध जैव विविधता के संरक्षण के प्रति अपने समर्पण पर जोर देता है।

2. कृंतक-पकड़ने वाला गोंद जाल

पीपुल्स फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा), भारत की अपील के बाद **अरुणाचल प्रदेश ने चूहों को पकड़ने के लिए गोंद जाल के निर्माण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है।**

बारे में

- अपनी अपील में पेटा इंडिया ने इसे लागू करने के लिए **तत्काल कदम उठाने का अनुरोध** किया **भारतीय पशु कल्याण बोर्ड** (AWBI) ने **ग्लू ट्रैप के खिलाफ निर्देश दिए** हैं।
- इसी तरह के परिपत्र आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में जारी किए गए हैं।
- पशु क्रूरता निवारण (PCA) अधिनियम, 1960 की धारा 11 के तहत **गोंद जाल का उपयोग एक दंडनीय अपराध** है। यदि कोई पक्षी गोंद जाल में फंस जाता है तो उसके पंखों को नुकसान हो सकता है।
- यह वन्य जीवन (संरक्षण) **अधिनियम, 1972 का भी उल्लंघन** है, जो संरक्षित स्वदेशी प्रजातियों के 'शिकार' पर रोक लगाता है।

'पेटा' भारत

मुंबई में स्थित पेटा इंडिया को जनवरी 2000 में लॉन्च किया गया था, यह इस सरल सिद्धांत के तहत संचालित होता है कि जानवरों को खाने-पीने, मनोरंजन के लिए प्रयोग या किसी अन्य तरीके से **दुर्व्यवहार नहीं करना चाहिए**।

यह मुख्य रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है जिनमें **जानवरों की सबसे बड़ी संख्या सबसे अधिक पीड़ित होती** है, जैसे प्रयोगशालाएं, खाद्य उद्योग, चमड़ा व्यापार और मनोरंजन व्यवसाय।

यह **नीति निर्माताओं और जनता को जानवरों के साथ दुर्व्यवहार के बारे में शिक्षित** करता है और सभी जानवरों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करने के अधिकार की समझ को बढ़ावा देता है।

भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (AWBI)

- यह भारत सरकार के लिए एक **वैधानिक और सलाहकार निकाय** है, जो पशु कल्याण कानूनों पर सलाह देता है और पशु कल्याण को बढ़ावा देता है।
- इसकी **स्थापना 1962 में PCA अधिनियम**, 1960 की धारा 4 के तहत की गई थी।
- **मुख्यालय** हरियाणा के फ़रीदाबाद जिले के बल्लभगढ़ में है।

भूगोल

1. इडुक्की बांध

इडुक्की बांध से बड़े **सुरक्षा उल्लंघन की सूचना मिली** है।

बारे में

- यह भारत के केरल में इडुक्की जिले के मरियापुरम गांव में **दो ग्रेनाइट पहाड़ियों के बीच** एक संकीर्ण घाटी में पेरियार नदी पर निर्मित एक **मेहराबदार बांध** है, जिसे स्थानीय रूप से कुरावन और कुराथी के नाम से जाना जाता है।
- यह एशिया के सबसे ऊंचे आर्क बांधों में से एक है और **तीसरा सबसे ऊंचा मेहराबदार बांध** है।
- **यह बांध दो पहाड़ों** - कुरावनमाला और कुराथिमाला के बीच स्थित है।

पेरियार नदी

- **पेरियार नदी केरल राज्य की सबसे लंबी नदी** है। इसे '**केरल की जीवन रेखा**' के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह राज्य की कुछ बारहमासी नदियों में से एक है।
- यह **पश्चिमी घाट की शिवगिरी पहाड़ियों से निकलती** है और पेरियार राष्ट्रीय उद्यान से बहती हुई पेरियार झील तक पहुँचती है और फिर पानी वेम्बनाड झील में और अंत में **अरब सागर में गिर जाती** है।
- **प्रमुख सहायक नदियाँ:** मुथिरापुझा, मुल्लायार, चेरुथोनी, पेरिंजनकुट्टी और एडमाला नदियाँ।

2. इंटेलिजेंट वॉटर बॉडी मैनेजमेंट सिस्टम-तमारा

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (TDB) ने "**इंटेलिजेंट वॉटर बॉडी मैनेजमेंट सिस्टम** (IWMS)-तमारा का विकास और व्यावसायीकरण" नामक एक परियोजना शुरू की है।

परियोजना के बारे में

- यह परियोजना **AMRUT 2.0 मिशन के अनुरूप** है जिसका विशिष्ट लक्ष्य जल निकायों को संरक्षित करना और **ब्लू इकोनॉमी** के सिद्धांतों के अनुरूप एक **चक्रीय जल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।**
- यह जल की गुणवत्ता को प्रबंधित करने के लिए सेंसर और IoT-आधारित तकनीक के साथ एक स्मार्ट वायुसंचरण प्रणाली (Smart aeration System) है।
- यह न केवल **अपशिष्ट जल में सुधार करता** है बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि जल निकाय और जलीय कृषि तालाब स्वच्छ और स्वस्थ रहें।

इस प्रणाली में कई प्रमुख तत्व शामिल हैं

- **स्मार्ट वीड हार्वेस्टर सिस्टम (PLASHBOT):** यह प्रणाली जल निकायों से अवांछित पौधों को हटा देती है।
- **संचार प्रणाली और डेटा सुरक्षा:** यह प्रणाली उपकरणों के बीच डेटा भेजने और प्राप्त करने के लिए एक विशेष प्रकार की तकनीक का उपयोग करती है।
- **स्मार्ट तलछट वायुसंचरण प्रणाली:** यह जल निकायों के तल तक अधिक ऑक्सीजन लाने में मदद करती है।
- **स्मार्ट जलवायु-संचालित जल गुणवत्ता निगरानी प्रणाली:** यह पानी में पोषक तत्वों के स्तर और उसमें ऑक्सीजन की मात्रा को नियंत्रित करने में मदद करती है।

महत्वपूर्ण शब्द

शब्द **'ब्लू इकोनॉमी'** समुद्री संसाधनों का सतत उपयोग करते हुए **समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य की रक्षा** करने पर केंद्रित है।
'**सर्कुलर वॉटर इकोनॉमी**' शब्द, जल संसाधनों के संरक्षण और प्रभावी ढंग से उपयोग पर केंद्रित एक रणनीति है अपशिष्ट को कम करने और स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड-विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (TDB-DST)

यह एक **वैधानिक संगठन** है जो तकनीकी प्रगति, आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण पहल का समर्थन करता है।

3. नर्मदा नदी

नर्मदा और अन्य नदियों के कारण गुजरात में बड़े पैमाने पर बाढ़ आई है और राज्य के दक्षिणी और मध्य क्षेत्रों के **विभिन्न गाँव मुख्यधारा से कट गए** हैं।
नर्मदा का जल स्तर **खतरे के निशान से ऊपर** है और भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने गुजरात के कुछ हिस्सों में रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।
नर्मदा नदी का प्रमुख बांध **सरदार सरोवर बांध** है, जो जलस्तर बढ़ने के पीछे महत्वपूर्ण कारणों में से एक है।

नर्मदा नदी के प्रमुख आकर्षण

- इसे **रीवा** के रूप में भी जाना जाता है, यह उत्तर और दक्षिण भारत के बीच एक पारंपरिक सीमा के रूप में कार्य करता है।
- यह **मैकल पर्वत के अमरकंटक शिखर** से अपने उद्गम से 1,312 किमी पश्चिम में है। यह **खंभात की खाड़ी में बहती** है।
- यह महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों के कुछ क्षेत्रों के अलावा मध्य प्रदेश के एक बड़े क्षेत्र में जल प्रवाहित करती है।
- यह **प्रायद्वीपीय क्षेत्र की पश्चिम की ओर बहने वाली नदी** है जो उत्तर में विंध्य पर्वतमाला और दक्षिण में सतपुड़ा पर्वतमाला के बीच एक **रिफ्ट घाटी से होकर बहती** है।

सहायक नदियाँ

दाहिनी ओर से प्रमुख सहायक नदियाँ हैं -हिरन, तेंदोरी, बरना, कोलार, मैन, उरी, हतनी और ओरसांग।
प्रमुख बायीं ओर से सहायक नदियाँ हैं - बर्नर, बंजार, शेर, शक्कर, दूधी, तवा, गंजाल, छोटा तवा, कुंडी, गोई और कर्जन।
नदी पर बांध: **ओंकारेश्वर और महेश्वर बांध**।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

1. होरिजन यूरोप अनुसंधान कार्यक्रम

यूके देश होराइजन यूरोप अनुसंधान कार्यक्रम में **फिर से शामिल हो गया** है। होराइज़न यूरोप के साथ-साथ यूके **कोपरनिकस** में भी शामिल हुआ है।

होरिजन यूरोप क्या है?
होराइजन यूरोप दुनिया का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान और नवाचार कार्यक्रम है।

- यह **यूरोपीय संघ के सदस्य देशों और कार्यक्रम से जुड़े देशों के लिए खुला** है, जैसा कि ब्रिटेन ने ब्रेक्सिट के कारण इसे छोड़ने के बाद अब जुड़ा है।
- यह वित्तीय कैंसर और संक्रामक रोगों से लेकर जलवायु संकट, खाद्य सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स जैसे मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर केंद्रित **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का समर्थन** करता है।

कॉपरनिकस के बारे में?
कॉपरनिकस यूरोपीय संघ के अंतरिक्ष कार्यक्रम का पृथ्वी ऑब्जरवेशन घटक है, जो सभी यूरोपीय नागरिकों के लाभ के लिए हमारे ग्रह और उसके पर्यावरण पर नज़र रखता है।

- यह **सूचना सेवाएँ प्रदान करता** है जो उपग्रह पृथ्वी ऑब्जरवेशन और इन-सीटू (गैर-अंतरिक्ष) डेटा से प्राप्त होती हैं।
- **यूरोपीय आयोग कार्यक्रम का प्रबंधन करता** है।
- इसे सदस्य राज्यों, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA), मौसम संबंधी उपग्रहों के शोषण के लिए यूरोपीय संगठन (EUMETSAT), मध्यम दूरी के मौसम पूर्वानुमान के लिए यूरोपीय केंद्र (ECMWF), ईयू एजेंसियों और मर्केटर ओशन के साथ **साझेदारी में लागू किया गया** है।

2. नासा का पहला क्षुद्रग्रह नमूना पृथ्वी पर उतरा

कार्बन युक्त क्षुद्रग्रह बेन्नु से पहला क्षुद्रग्रह नमूना लेकर नासा कैप्सूल पृथ्वी पर उतरा।

बारे में:

ऑरिजिंस, स्पेक्ट्रल इंटरप्रिटेशन, रिसोर्स आइडेंटिफिकेशन और सिक्योरिटी-रेगोलिथ एक्सप्लोरर (OSIRIS-REx) अंतरिक्ष यान ने संयुक्त राज्य अमेरिका के यूटा रेगिस्तान में बेन्नू क्षुद्रग्रह से नमूना जारी किया।

- कंकड़ और धूल वाला नमूना चंद्रमा के पार से सबसे बड़ी खेप का प्रतिनिधित्व करता है जो **वैज्ञानिकों को पृथ्वी और हमारे सौर मंडल के बारे में बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा** और वैज्ञानिकों को यह जांचने में मदद करेगा कि **ग्रह कैसे बने और जीवन कैसे शुरू हुआ**।
- क्योंकि **बेन्नू की सामग्री बहुत पुरानी है**, इसमें उन कार्बनिक अणुओं के समान हो सकते हैं जो पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत में शामिल हो सकते हैं।
- जापान, **क्षुद्रग्रह के नमूने वापस लाने वाला एकमात्र अन्य देश** है।
- क्षुद्रग्रह रयुगु से एक नमूना, जिसमें कार्बनिक अणुओं का एक समृद्ध पूरक है, जापान के **हायाबुसा 2 अंतरिक्ष यान द्वारा वितरित किया** गया।

बेन्नू क्षुद्रग्रह:

• **इसकी खोज 1999 में की गई थी**, संभवतः यह लगभग 700 मिलियन से 2 बिलियन वर्ष पहले एक बहुत बड़े कार्बन-समृद्ध क्षुद्रग्रह से टूट गया था। इसने 4.5 अरब वर्ष से अधिक का इतिहास देखा है।	• क्षुद्रग्रह, जिन्हें कभी-कभी छोटे ग्रह भी कहा जाता है, लगभग 4.6 अरब साल पहले हमारे सौर मंडल के **प्रारंभिक गठन से बचे चट्टानी, वायुहीन अवशेष** हैं।
• **यह संभवतः मंगल और बृहस्पति के बीच मुख्य क्षुद्रग्रह बेल्ट में बना** है और तब से पृथ्वी के बहुत करीब आ गया है।	• **यह एक छोटा, पृथ्वी के निकट का क्षुद्रग्रह** है जो लगभग **हर छह साल में पृथ्वी के निकट से गुजरता** है।
• **2182 में बेन्नू के पृथ्वी के खतरनाक रूप से निकट आने की संभावना है।**	• OSIRIS-REx द्वारा एकत्र किया गया डेटा क्षुद्रग्रह-विक्षेपण प्रयासों में मदद करेगा।

- साक्ष्य छोड़ने के बाद, OSIRIS-REx अंतरिक्ष यान ने OSIRIS-APophis एक्सप्लोरर (OSIRIS-APEX) के रूप में एक नया मिशन शुरू किया और 2029 में क्षुद्रग्रह APophis का अध्ययन करने के लिए आगे बढ़ गया।

3. नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (NISAR)

NISAR हमारी समझ को बढ़ाएगा कि पृथ्वी के वन और आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन विश्व भर में कार्बन चक्र को कैसे प्रभावित करते हैं और **जलवायु परिवर्तन में योगदान करते** हैं।

बारे में

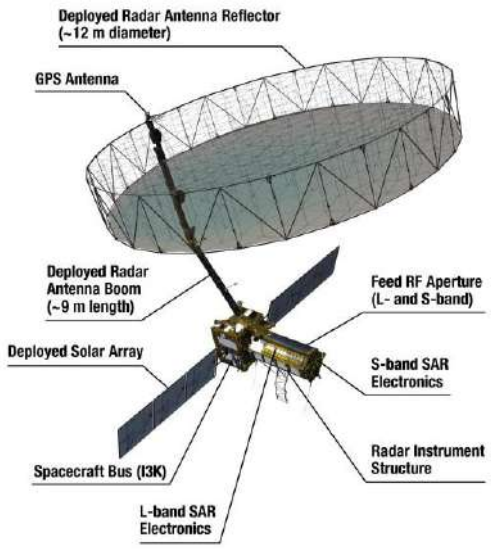

- **NISAR नासा और इसरो का एक संयुक्त प्रयास** है, जो लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) में काम कर रहा है।
- NISAR में **L-बैंड और S-बैंड सिंथेटिक एपर्चर रडार (SAR) दोनों उपकरण** हैं, जो इसे दो अलग-अलग रडार आवृत्तियों का उपयोग करने वाला पहला उपग्रह है।
- SAR दिन और रात, बादलों को भेदते हुए और **प्रतिकूल मौसम की स्थिति में काम कर सकता है।**
- **मिशन के उद्देश्य:** पृथ्वी परिवर्तन की निगरानी करना: **NISAR का प्राथमिक लक्ष्य** पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र, सतहों और बर्फ के द्रव्यमान में परिवर्तन को मापना है, जो बायोमास, प्राकृतिक खतरों, समुद्र के स्तर में वृद्धि और भूजल में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।
- **वैश्विक अवलोकन:** उपग्रह विश्व स्तर पर भूमि और बर्फ से ढके क्षेत्रों की निगरानी करेगा, जिसमें आरोही और अवरोही दोनों मार्गों पर 12 दिनों की पुनरीक्षण आवृत्ति होगी।

अर्थव्यवस्था

1. एशियाई विकास बैंक

हाल ही में, 2023 क्षेत्रीय सहयोग और एकीकरण **(RCI)** सम्मेलन एशियाई विकास बैंक **(ADB)** द्वारा **जॉर्जिया के त्बिलिसी में** आयोजित किया गया था, जहां भारत ने अपने **पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का प्रदर्शन** किया।

एशियाई विकास बैंक

- ADB एक **क्षेत्रीय विकास बैंक** है जिसकी **स्थापना 1966** में एशिया और प्रशांत क्षेत्र में **सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा** देने के उद्देश्य से की गई थी।
- इसके **68 सदस्य** हैं; 49 एशिया और प्रशांत क्षेत्र से हैं और 19 बाहरी देश हैं। **भारत एक संस्थापक सदस्य** है।
- ADB सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए ऋण, तकनीकी सहायता, अनुदान और इक्विटी निवेश प्रदान करके अपने सदस्यों और भागीदारों की सहायता करता है।

- 31 दिसंबर 2022 तक, ADB के **पांच सबसे बड़े शेयरधारक** जापान और अमेरिका (प्रत्येक के पास कुल शेयरों का 15.6%), चीन (6.4%), भारत (6.3%), और ऑस्ट्रेलिया (5.8%) हैं।
- इसका **मुख्यालय** मनीला, फिलीपींस में है।

ADB सम्मेलन के बारे में

विषय	• **आर्थिक गलियारा विकास** (ACD) के माध्यम से क्षेत्रीय सहयोग और एकीकरण को मजबूत करना।
उद्देश्य	• ECD के साथ स्थानिक परिवर्तन/क्षेत्र-केंद्रित दृष्टिकोण को एकीकृत करने और व्यापक दृष्टिकोण के माध्यम से **क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने** के तरीकों का पता लगाना। • निवेश योग्य परियोजनाओं के लिए ECD ढांचे के अनुप्रयोग और परिचालन दिशानिर्देशों पर ज्ञान साझा करना।
भागीदारी	• सम्मेलन में **30 से अधिक सदस्य देशों ने भाग** लिया।
भारत की भूमिका	• RCI सम्मेलन में, भारत ने सामाजिक-आर्थिक योजना और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ाने के लिए **ADB** और दक्षिण एशिया उपक्षेत्रीय आर्थिक सहयोग **(SASEC)** देशों को ज्ञान साझा करने के माध्यम से अपनी स्वदेशी रूप से विकसित **GIS-आधारित तकनीक** की शुरुआत की।

2. मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान

- यह एक **मेड इन इंडिया पहल** है, जो आर्थिक और सामाजिक बुनियादी ढाँचे के लिये मल्टीमॉडल इंफ्रास्ट्रक्चर कनेक्टिविटी की एकीकृत योजना हेतु एक परिवर्तनकारी 'संपूर्ण-सरकारी' दृष्टिकोण है, जिससे लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार होता है।
- पीएम गतिशक्ति को अक्टूबर **2021 में लॉन्च** किया गया था।
- गतिशक्ति योजना में वर्ष **2019 में 110 लाख करोड़ रुपये की राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन लॉन्च** की गई।

- यह एक भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS) **डेटा-आधारित डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म** है जिसमें 1400 से अधिक डेटा और 50+ उपकरण हैं।
- यह उपयोगिता बुनियादी ढांचे, भूमि उपयोग, मौजूदा संरचनाओं, मिट्टी की गुणवत्ता, निवास स्थान, पर्यटन स्थलों, वन संवेदनशील क्षेत्रों आदि का दृश्य प्रतिनिधित्व प्रदान करता है।
- क्षेत्रीय साझेदारों के साथ **कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए भी यह पहल लागू की जा रही** है। कुछ उपयुक्त उदाहरण हैं:
  (a) भारत-नेपाल हल्दिया एक्सेस नियंत्रित कॉरिडोर परियोजना (पूर्वी भारतीय राज्य और नेपाल)
  (b) विकास केंद्रों और सीमा बिंदुओं तक मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के लिए क्षेत्रीय जलमार्ग ग्रिड (RWG) परियोजना।

3. बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण योजना

हाल ही में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने को बढ़ावा देने** के उद्देश्य से बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (BESS) के विकास के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (VGF) योजना को मंजूरी दे दी है।
BESS ऐसे उपकरण हैं जो **सौर और पवन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा को संग्रहीत** करने और तब जारी करने में सक्षम बनाते हैं जब **बिजली की सबसे अधिक आवश्यकता** होती है।

> **नोट: VGF एक वित्तीय तंत्र** है जिसका उपयोग सरकारों द्वारा बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं की लागत और उनकी आर्थिक व्यवहार्यता के बीच **अंतर को पाटने के लिये किया** जाता है। इसे आमतौर पर उन परियोजनाओं में नियोजित किया जाता है जिन्हें विभिन्न कारणों से निजी निवेशकों हेतु आर्थिक रूप से **अव्यवहार्य या वित्तीय रूप से अनाकर्षक माना जाता** है, जैसे उच्च पूंजी लागत, कम राजस्व क्षमता, या लंबी निर्माण अवधि।

बैटरी भंडारण के लिए VGF योजना

- सरकार आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने, बैटरी भंडारण प्रणाली के खर्चों को काफी कम करने के लिए **VGF के माध्यम से 40% तक पूंजीगत लागत सहायता** प्रदान करती है।
- यह योजना रणनीतिक रूप से नागरिकों को स्वच्छ, विश्वसनीय और सस्ती बिजली प्रदान करने के लिए सौर और पवन ऊर्जा जैसे **नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की क्षमता का उपयोग करने के लिए डिज़ाइन की गई है।**
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि योजना का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे, BESS परियोजना क्षमता का **न्यूनतम 85% वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) को उपलब्ध** कराया जाएगा।

- यह सुनिश्चित करने के लिए कि योजना का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे, BESS परियोजना क्षमता का न्यूनतम 85% वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) को उपलब्ध कराया जाएगा।
- यह रणनीतिक प्रयास ग्रिड में नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण को मजबूत करता है, अपशिष्ट को कम करता है, ट्रांसमिशन नेटवर्क के उपयोग को अनुकूलित करता है, और महंगे बुनियादी ढांचे के उन्नयन की आवश्यकता को कम करता है।

उद्देश्य

- इसका प्राथमिक उद्देश्य वर्ष 2030-31 तक BESS परियोजनाओं के विकास में 4,000 मेगावाट घंटे (MWh) का योगदान देना है।
- इस कार्यक्रम का लक्ष्य VGF वित्तीयन प्रदान करके प्रति किलोवाट-घंटा (kWh) 5.50 और 6.60 रुपए के बीच भंडारण की एक स्तरीय लागत प्राप्त करना है।
- यह लागत-प्रभावशीलता संग्रहीत नवीकरणीय ऊर्जा को देश भर में विद्युत की अधिकतम मांग के प्रबंधन के लिये एक व्यावहारिक विकल्प प्रदान करता है।

Why Choose MALUKA IAS For

GS Foundation +Advanced Batch ?

S.No. क्रमांक संख्या	Facilities / सुविधाएँ	MALUKA IAS	Other Coaching Institute अन्य कोचिंग संस्थान
1.	**1500+ Hours of Comprehensive Classes** 1500+ घंटे की विस्तृत कक्षाएं	✓	800-900Hrs.
2.	**NCERT Synopsis Classes** NCERT सारांश कक्षाएं	✓	✗
3.	**NCERT Based 5000+ Prelims Practice Questions** NCERT आधारित 5000+ प्रारंभिक अभ्यास प्रश्न	✓	✗
4.	**Specialised Teachers for Every Subject** प्रत्येक विषय के लिए विशिष्ट शिक्षक	✓	only few have
5.	**Comprehensive & Updated Printed Class Notes** विस्तृत और अद्यतन मुद्रित कक्षा नोट्स	✓	only few have
6.	**Daily 20+ Prelims Practice Questions** दैनिक 20+ प्रारंभिक अभ्यास प्रश्न	✓	✗
7.	**Daily Answer Writing in Class itself Under Guidance of Specialized Teachers** विशिष्ट शिक्षकों के मार्गदर्शन में कक्षा में ही दैनिक उत्तर लेखन	✓	✗
8.	**5 Stage Answer Checking System for Daily Answer Writing + Test Series** दैनिक उत्तर लेखन + परीक्षण श्रृंखला के लिए 5 चरण उत्तर जाँच प्रणाली ▪ **Understand the Demand of Question** (प्रश्न की मांग को समझें) ▪ **Understanding the Dimension of Questions** (प्रश्न के आयाम को समझना) ▪ **How to Write Best Introduction, Body Part & Conclusion** (सबसे अच्छा परिचय, मुख्य भाग और निष्कर्ष कैसे लिखें) ▪ **How to Make Flowchart in Answer** (उत्तर में फ्लोचार्ट कैसे बनाये) ▪ **How to use Reports and Facts in Answer** (उत्तर में रिपोर्ट और तथ्यों का उपयोग कैसे करें)	✓	✗
9.	**Personal Mentor for 10 Students each** प्रत्येक 10 छात्रों के लिए व्यक्तिगत सलाहकार	✓	✗
10.	**PROOF VIDEO for Prelims & Mains Questions in UPSC Paper** यूपीएससी पेपर में प्रीलिम्स और मेन्स प्रश्नों के लिए प्रमाणिक वीडियो	✓	✗
11.	**Personality Development Programme by UPSC BOARD MEMBERS** UPSC बोर्ड के सदस्यों द्वारा व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम	✓	only few have
12.	**Weekly Current Affairs Classes with Notes & Monthly Test** नोट्स और मासिक परीक्षण के साथ साप्ताहिक करेंट अफेयर्स कक्षाएं	✓	✗
13.	**Regular Online + Offline Preliminary Test** नियमित ऑनलाइन + ऑफ़लाइन प्रारंभिक परीक्षा	✓	only few have
14.	**Free Live & Recorded Videos of every class (with offline class)** हर कक्षा के मुफ्त लाइव और रिकॉर्डेड वीडियो (ऑफ़लाइन क्लास के साथ)	✓	✗

99101-33084, 70423-55560 www.malukaias.com

MALUKA IAS

सामान्य अध्ययन

फाउंडेशन +एडवांस बैच 2025

Prelims + Mains + Interview

विशेषताएँ

- NCERT फाउंडेशन बैच
- GS फाउंडेशन +एडवांस्ड बैच
- दैनिक प्रीलिम्स + मेन्स अभ्यास प्रश्न
- नियमित प्रीलिम्स + मेन्स टेस्ट
- अपडेटेड अध्ययन सामग्री
- 1-1 मेंटरशिप
- UPSC बोर्ड के पूर्व सदस्यों द्वारा साक्षात्कार मार्गदर्शन

एडमिशन आरंभ

ऑनलाइन | ऑफलाइन

70425-74800 / 99101-33084

अंतरराष्ट्रीय संबंध

1. दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संघ (आसियान)

दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के नेताओं ने म्यांमार को 2026 में अपने क्षेत्रीय ब्लॉक का अंत **अध्यक्षता ग्रहण करने का अवसर देने से इनकार करने का निर्णय लिया है**।
यह निर्णय म्यांमार के सत्तारूढ़ जनरलों के लिए एक चिंता का विषय है, जो **2021 में हिंसक रूप से सत्ता पर कब्जा** करने के बाद **अंतरराष्ट्रीय मान्यता की मांग कर रहे** हैं। इंडोनेशिया द्वारा आयोजित आसियान शिखर सम्मेलन में **फिलीपींस 2026 में क्षेत्रीय ब्लॉक की अध्यक्षता संभालने के लिए सहमत हुए** है।

दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संघ (आसियान)

- यह एक **क्षेत्रीय समूह** है जो आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देता है।
- इसकी **स्थापना अगस्त 1967 में बैंकॉक**, थाईलैंड में आसियान के संस्थापक सदस्यों, अर्थात् इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड द्वारा आसियान घोषणा (बैंकॉक घोषणा) पर हस्ताक्षर के साथ की गई थी।
- सदस्य राज्यों के अंग्रेजी नामों के वर्णमाला क्रम के आधार पर इसकी **अध्यक्षता प्रतिवर्ष बदलती रहती है।**

- 2022 में सभी आसियान देशों की कुल **GDP लगभग 3.66 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर** थी।
- अप्रैल 2021-फरवरी 2022 की अवधि में **भारत और आसियान क्षेत्र के बीच वस्तुओं का व्यापार 98.39 बिलियन तक पहुंच गया** है। **भारत के मुख्य व्यापारिक संबंध** इंडोनेशिया, सिंगापुर, मलेशिया, वियतनाम और थाईलैंड के साथ हैं।

सदस्यों

आसियान **दस दक्षिण पूर्व एशियाई राज्यों** का एक संगठन है, ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम

पृष्ठभूमि

- **2021 में, म्यांमार सेना ने आंग सान सू की की लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को बाहर कर दिया**, जिसके कारण व्यापक निंदा हुई और उन्हें हिरासत से तत्काल रिहा करने की मांग की गई।
- अमेरिका के नेतृत्व वाली पश्चिमी सरकारें म्यांमार में सैन्य नेतृत्व वाली सरकार के विरोध में मुखर रही हैं।

समस्याएँ

• म्यांमार में सैन्य अधिग्रहण के बाद से, सुरक्षा बलों पर लगभग **4,000 नागरिकों की हत्या** करने और **24,000 से अधिक अन्य को गिरफ्तार** करने का आरोप लगाया गया है।	• म्यांमार की **अर्थव्यवस्था चरमरा गई** है और लगभग आधी आबादी अब गरीबी रेखा से नीचे रह रही है।
• शत्रुता के संचालन में नागरिकों की रक्षा के लिए सेना के लिए स्पष्ट कानूनी दायित्वों के बावजूद, **अंतरराष्ट्रीय कानून के संबंधित नियमों की लगातार उपेक्षा की गई है**।	

आसियान नेतृत्व में म्यांमार के बहिष्कार के कारण

- आसियान राजनयिकों ने सुझाव दिया है कि म्यांमार का बहिष्कार देश के भीतर चल रहे **नागरिक संघर्ष** से संबंधित है।
- इसके अतिरिक्त, ऐसी चिंताएँ हैं कि म्यांमार की सैन्य नेतृत्व वाली सरकार को मान्यता न देने के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित अन्य अंतरराष्ट्रीय अभिकर्ताओं के साथ **आसियान के संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव** पड़ सकता है।

2. लैंपेडुसा द्वीप

यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष **उर्सुला वॉन डेर लेयेन** ने हाल ही में **इतालवी द्वीप लैम्पेडुसा** का दौरा किया, जो **प्रवासी आगमन में वृद्धि** की समस्या का सामना कर रहा है।

बारे में

- लैम्पेडुसा, जो इतालवी मुख्य भूमि की तुलना में **उत्तरी अफ्रीका के निकट स्थित है**, लंबे समय से तस्करों के निशाने पर है। **ट्यूनीशिया अब यूरोप के लिए मुख्य प्रक्षेपण स्थल (लॉन्चिंग पैड)** है, आज द्वीप इटली में आने वाले सभी प्रवासियों में से लगभग 70% को प्राप्त कर रहा है।
- ट्यूनीशिया से लैंपेडुसा पहुंचने वाली नौकाओं में आइवरी कोस्ट, गिनी, कैमरून, बुर्किना फासो, माली और ट्यूनीशियाई सहित विभिन्न अफ्रीकी देशों के नागरिक हैं।
- **पड़ोसी देश लीबिया से भी लोगों की संख्या बढ़ रही है**। इनमें मिस्र, इरिट्रिया और सूडान के नागरिक शामिल हैं, जहां प्रतिद्वंद्वी सैन्य नेताओं के बीच चल रहे संघर्ष से पहले ही 4 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं।

- ट्यूनीशिया में सामाजिक-आर्थिक स्थिति **उच्च मुद्रास्फीति और नौकरियों की कमी के कारण खराब हो रही** है, जिससे वहां रहने वाले ट्यूनीशियाई और विदेशी दोनों चिंता हैं।

3. महिला 20 शिखर सम्मेलन 2023

हाल ही में, भारत की G20 अध्यक्षता के एक भाग के रूप में, **तमिलनाडु के महाबलीपुरम** में '**महिला-नेतृत्व विकास-परिवर्तन, प्रगति और पारगमन**' विषय पर महिला 20 (W20) शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया।
शिखर सम्मेलन का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण की शक्ति का जश्न मनाना और आर्थिक सशक्तिकरण, व्यापार और निवेश और अर्थव्यवस्था से संबंधित प्रमुख मुद्दों को संबोधित करना था।

W20

- G20 पहल के रूप में **2015 में गठित W20** का उद्देश्य लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।
- पहला W20 शिखर सम्मेलन **2015 में तुर्की की G20 अध्यक्षता के दौरान आयोजित** किया गया था।
- G20 समूह चर्चाओं में लैंगिक विचारों को मुख्यधारा में लाना चाहता है और उन्हें नीतियों और प्रतिबद्धताओं में परिवर्तित करना चाहता है।

- यह **G20 के एजेंडे को प्रभावित करता है** और विभिन्न वैश्विक चुनौतियों के प्रति लिंग-संवेदनशील दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है।

राजव्यवस्था

1. आदिवासियों के लिए सरना धार्मिक कोड

झारखंड के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर आदिवासियों के लिए सरना **धार्मिक कोड को मान्यता देने की मांग** की है।

आदिवासियों के लिए सरना धर्म

- सरना आस्था के अनुयायी **स्वयं को एक विशिष्ट धार्मिक समूह** से संबंधित मानते हैं और **प्रकृति पूजक** हैं।
- सरना आस्था का पवित्र आधार "**जल, जंगल, ज़मीन"** है और इसके अनुयायी वन क्षेत्रों की रक्षा में विश्वास करते हुए **पेड़ों और पहाड़ियों की पूजा करते** हैं।
- सरना धर्म के अनुयायी **मूर्ति पूजा नहीं करते, न ही वे वर्ण व्यवस्था, स्वर्ग-नर्क आदि की अवधारणा का पालन करते** हैं।

- अनुयायी बड़े पैमाने पर ओडिशा, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम के **आदिवासी राज्यों में केंद्रित** हैं।
- अगली जनगणना में एक अलग धार्मिक कोड के रूप में सरना कोड की मांग आदिवासी समूहों की लंबे समय से चली आ रही मांग रही है। **2021 में झारखंड विधानसभा ने सर्वसम्मति से 'सरना' कोड का प्रस्ताव पारित किया** था।

यह मान्यता कैसे मदद करेगी?

• एक अलग धार्मिक समुदाय के रूप में मान्यता मिलने से उनकी **भाषा और इतिहास का संरक्षण मिलेगा**।	• इस तरह की सुरक्षा के अभाव में, समुदाय के कई लोगों ने अल्पसंख्यक के रूप में **आरक्षण का लाभ लेने के लिए** हाल के दिनों में **ईसाई धर्म अपना लिया** है।

मान्यता की आवश्यकता

- आदिवासी समुदाय जो **विलुप्त होने के कगार पर** है और यदि उन्हें सामाजिक न्याय के सिद्धांत पर संरक्षित नहीं किया गया तो भाषा और संस्कृति के साथ-साथ उनका अस्तित्व भी समाप्त हो जाएगा।
- राज्य सरकार के अनुसार, पिछले आठ दशकों में राज्य में **आदिवासी आबादी 38% से घटकर 26% हो** गई है।
- जनजातीय जनसंख्या में गिरावट की प्रवृत्ति चिंताजनक है क्योंकि इसका **प्रभाव पांचवीं और छठी अनुसूची क्षेत्रों की विकास नीति** पर भी पड़ेगा।

2. विचार की स्वतंत्रता के लिए सखारोव पुरस्कार

ईरान की महसाअमिनी को 2023 के 'सखारोव स्वतंत्रता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

विचार की स्वतंत्रता के लिए सखारोव पुरस्कार

- विचार की स्वतंत्रता के लिए सखारोव पुरस्कार **प्रत्येक वर्ष यूरोपीय संसद द्वारा प्रदान किया जाता है।**
- इसकी **स्थापना 1988** में मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता की रक्षा करने वाले व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करने के लिए की गई थी।
- इसका नाम सोवियत भौतिक विज्ञानी और राजनीतिक **आंद्रेई सखारोव** के सम्मान में रखा गया है और **पुरस्कार राशि 50,000 यूरो** है।

- **सखारोव नोबेल शांति पुरस्कार विजेता थे**।
- पिछले साल, **यूरोपीय संसद ने यूक्रेन के बहादुर लोगों को पुरस्कार से सम्मानित** किया था।

महसाअमिनी

- वह एक **कुर्द-ईरानी महिला** थीं जिनकी ईरान में **पुलिस हिरासत में मृत्यु** हो गई थी, उन्हें **मरणोपरांत विचार की स्वतंत्रता के लिए यूरोपीय संघ के सखारोव पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।**
- उनकी मौत के बाद ईरान में महिलाओं के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। "**महिला, जीवन, स्वतंत्रता" के नारे** के तहत वे **हिजाब कानून और अन्य भेदभावपूर्ण कानूनों का विरोध कर रहे** हैं।

बारे में
- यूरोपीय संसद (MEP) के सदस्यों ने जिनामहसाअमिनी और ईरान में महिला, जीवन, स्वतंत्रता आंदोलन को 2023 'विचार की स्वतंत्रता के लिए सखारोव पुरस्कार' से सम्मानित किया है।
- **पुरस्कार समारोह 13 दिसंबर** को निर्धारित है।

3. नये जिलों का निर्माण

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने तीन नए जिलों - **मालपुरा, सुजानगढ़ और कुचामन - के गठन की घोषणा की**, जिससे कुल जिलों की संख्या 53 हो गई।
जबकि **मालपुरा को मौजूदा टोंक जिले से अलग किया** जाएगा, **सुजानगढ़ को चुरू** से और **कुचामन को नागौर** से बनाया जाएगा।

नये जिले बनाने की प्रक्रिया

नए जिले बनाने या मौजूदा जिलों को बदलने या समाप्त करने का अधिकार **राज्य सरकारों के पास** है।

- **प्रक्रिया**: यह एक **कार्यकारी आदेश के माध्यम से** या **राज्य विधानसभा में एक कानून पारित करके** किया जा सकता है। कई राज्य केवल **आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना जारी** करके कार्यकारी मार्ग को प्राथमिकता देते हैं।
- **कारण**: राज्यों का तर्क है कि **छोटे जिले बेहतर प्रशासन और शासन का नेतृत्व** करते हैं।

शासन और सामाजिक न्याय

1. भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (FTII)

सूचना और प्रसारण मंत्रालय (MIB) ने अभिनेता **आर माधवन** को फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (FTII) सोसाइटी का **अध्यक्ष और गवर्निंग काउंसिल का अध्यक्ष नियुक्त** किया है।

भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (FTII) के बारे में

Film & Television Institute Of India

- यह अभिनय फिल्म निर्माण वीडियो संपादन निर्देशन और निर्माण के लिए प्रमुख प्रशिक्षण सुविधा है।
- यह सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत एक **स्वायत्त निकाय** है।
- इसकी **स्थापना 1960** में हुई थी और इसे आधिकारिक तौर पर 1860 के सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत मान्यता प्राप्त है।
- यह **पुणे, महाराष्ट्र** में पूर्ववर्ती प्रभात फिल्म स्टूडियो के परिसर में स्थित है।

- यह **इंटरनेशनल लाइजन सेंटर ऑफ स्कूल्स ऑफ सिनेमा एंड टेलीविजन (CILECT)** का भी सदस्य है, जो फिल्म और टेलीविजन के विश्व के अग्रणी स्कूलों का संगठन है।

2. खुदरा विक्रेता कौशल विकास कार्यक्रम

सुपर पावर रिटेलर कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करने के लिए '**स्किल इंडिया मिशन**' ने **कोका-कोला इंडिया** के साथ साझेदारी की।

बारे में

- कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तत्वावधान में काम कर रहे राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) ने कौशल भारत मिशन के तहत सुपर पावर रिटेलर प्रोग्राम शुरू करने के लिए कोका-कोला इंडिया के साथ साझेदारी की घोषणा की।
- **कौशल भारत मिशन का उद्देश्य** युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करके, व्यावसायिक कौशल में सुधार करना और व्यक्तियों को नौकरी के लिए अधिक तैयार करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की पेशकश करके उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाना है।

- इस कार्यक्रम का उद्देश्य **ओडिशा और उत्तर प्रदेश राज्यों में खुदरा विक्रेता समुदाय को सशक्त बनाना** है और इसे ओडिशा राज्य में संचालित किया जा रहा है।
- **कार्यक्रम का लक्ष्य तीन वर्षों** में प्रमुख राज्यों में खुदरा विक्रेताओं को कौशल प्रदान करना है।

महत्त्व

• इसका उद्देश्य खुदरा विक्रेताओं को सशक्त बनाना और उन्हें अपने व्यवसाय का विस्तार करने और उपभोक्ता अनुभवों को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करना है।	• यह खुदरा विक्रेताओं को कौशल, पुन: कौशल और कौशल प्रदान करके **भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने** में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

• इसका **लक्ष्य देश के 1.40 करोड़ खुदरा विक्रेताओं को स्किल इंडिया डिजिटल पोर्टल के माध्यम से 14 घंटे की गुणवत्तापूर्ण खुदरा प्रशिक्षण प्रदान करना** है।	• इसका लक्ष्य एक ऐसे खुदरा पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम करना है जो ग्राहकों की अपेक्षाओं से अधिक हो, काम के भविष्य को अपनाए और **उद्योगों को तेजी से विकास प्रदान** करना।
• इसका उद्देश्य छोटे और सूक्ष्म खुदरा विक्रेताओं को प्रशिक्षण प्रदान करना, उन्हें उपभोक्ता व्यवहार और उनकी **प्राथमिकताओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से सुसज्जित** करना है।	

3. व्हाइट केन दिवस (सफेद छड़ी दिवस)

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग ने व्हाइट केन दिवस मनाया।

बारे में

- **विश्व व्हाइट केन दिवस प्रतिवर्ष 15 अक्टूबर** को मनाया जाता है। यह दिन विकलांग लोगों के लिए पहुंच और समावेशन को बढ़ावा देने और नेत्रहीनों के लिए आचरण के नियमों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।
- दृष्टिबाधित लोगों के लिए, सफेद छड़ी **स्वतंत्रता और गतिशीलता** का प्रतिनिधित्व करती है। यह दृष्टिबाधित व्यक्ति को स्वतंत्र रूप से घूमने और दैनिक कार्य पूरा करने में मदद करता है।

4. इंडियास्किल्स 2023-24

हाल ही में, **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय** ने इंडियास्किल्स 2023-24 लॉन्च किया है और विश्व कौशल प्रतियोगिता (WS) 2022 के विजेताओं की सराहना की है।

बारे में

- इंडियास्किल्स 2023-24 एक कौशल विकास प्रतियोगिता है जिसका **उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में व्यक्तियों के कौशल को बढ़ावा देना** है, उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है।
- इंडियास्किल्स वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता का अग्रदूत है। राष्ट्रीय स्तर पर **इंडियास्किल्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी वैश्विक कार्यक्रम वर्ल्डस्किल्स में भाग लेंगे**।

उद्देश्य

- **रोजगार योग्य कौशल को बढ़ावा देना:** यह कार्यक्रम बाजार की जरूरतों के अनुरूप रोजगार योग्य कौशल विकसित करने के महत्व को रेखांकित करता है, जिससे उद्योग के भीतर कार्यबल की स्वीकार्यता बढ़ती है।
- **कौशल अंतराल को संबोधित करना**: इसका उद्देश्य उद्योग में आवश्यक कौशल की मानचित्रण पर जोर देकर कौशल अंतराल को पहचानना और उसे कम करना है, अर्जित डिग्री और अर्जित व्यावहारिक कौशल के बीच असमानता को कम करना है।

आंतरिक सुरक्षा

1. वरुण-23

भारतीय और फ्रांसीसी नौसेना के बीच वरुण (वरुण-23) द्विपक्षीय अभ्यास के 21वें संस्करण का दूसरा चरण **अरब सागर में** आयोजित किया गया।

अभ्यास के बारे में

- भारतीय और फ्रांसीसी नौसेना का द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास **1993 में शुरू** किया गया था।
- इस अभ्यास को **2001 में 'वरुण' नाम दिया** गया और तब से यह मजबूत भारत-फ्रांस रणनीतिक द्विपक्षीय संबंधों की पहचान बन गया है।

महत्त्व

- यह एक-दूसरे की सर्वोत्तम प्रथाओं और प्रक्रियाओं से सीखने का अवसर प्रदान करता है।
- यह वैश्विक समुद्री रक्षा, सुरक्षा और स्वतंत्रता के प्रति उनकी साझा प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए, समुद्र में व्यवस्था बनाए रखने के लिए दोनों नौसेनाओं के बीच **परिचालन सहयोग को बढ़ावा** देता है।

हाल के अभ्यास की उपलब्धियाँ

- दोनों नौसेनाओं की इकाइयों ने अपने **युद्ध कौशल को बढ़ाने और सुदृढ करने**, **अंतरसंचालनीयता में सुधार करने और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने की अपनी क्षमता प्रदर्शित** करने का प्रयास किया।
- इस अभ्यास में दोनों पक्षों के निर्देशित **मिसाइल फ्रिगेट, टैंकर, समुद्री गश्ती विमान और अभिन्न हेलीकॉप्टरों** की भागीदारी देखी गई।

2. संगठित अपराध एवं भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग परियोजना (OCCRP)

ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट ने **अडानी ग्रुप के खिलाफ स्टॉक में हेरफेर के आरोप लगाए** हैं।

OCCRP

OCCRP
ORGANIZED CRIME AND CORRUPTION REPORTING PROJECT

- यह **खोजी पत्रकारों का एक वैश्विक नेटवर्क** है। यह यूरोप, अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में फैला हुआ है।
- इस संगठन की **स्थापना 2006 में ड्रू सुलिवन और पॉल राडू द्वारा** की गई थी।
- यह **वैश्विक खोजी पत्रकारिता नेटवर्क का सदस्य** है।

OCCRP मिशन और उद्देश्य

• खोजी पत्रकारों का एक वैश्विक नेटवर्क स्थापित करना, अपराध और भ्रष्टाचार को उजागर करने और उजागर करने के लिए उनकी कहानियों को प्रकाशित करना, **जनता को सत्ता में बैठे लोगों को जवाबदेह ठहराने के लिए सशक्त बनाना**।	• इसका दृष्टिकोण है "**एक ऐसी दुनिया जहां जीवन, आजीविका और लोकतंत्र को अपराध और भ्रष्टाचार से खतरा नहीं है।**"

उपलब्धियाँ

- यह इकाई पेगासस स्पाइवेयर के कार्यक्षेत्र के साथ-साथ **पनामा पेपर्स लीक में भी शामिल** थी। 2017 में, OCCRP को पनामा पेपर्स श्रृंखला की व्याख्यात्मक रिपोर्टिंग के लिए **पुलित्जर पुरस्कार से सम्मानित** किया गया था।
- 2019 में इस परियोजना को **द अज़रबैजानी लॉन्ड्रोमैट नामक कहानी** के लिए **ग्लोबल इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिज्म नेटवर्क से ग्लोबल शाइनिंग लाइट अवार्ड प्रशस्ति पत्र प्राप्त** हुआ।

3. धनुष तोप

भारतीय सेना, जिसने **114 धनुष तोपों का ऑर्डर** दिया है, 2026 तक सभी तोपें मिल जाएंगी।

बारे में

- धनुष **1980 के दशक में खरीदी गई स्वीडिश बोफोर्स तोप की स्वदेशी रूप से उन्नत गन** है।
- यह 155 मिमी, 45-कैलिबर की टोड आर्टिलरी गन है जिसकी **रेंज 36 किमी** है और इसने विशेष गोला-बारूद के साथ 38 किमी की रेंज का प्रदर्शन किया है।
- यह मौजूदा **155 मीटर, 39 कैलिबर बोफोर्स FH 77 तोप का अपग्रेड** है।
- यह सभी उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन **(नाटो) के 155 मिमी गोला-बारूद प्रणालियों के साथ संगत** है।
- ऑर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड के निगम के बाद बनी **एडवांस्ड वेपंस एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड अब धनुष तोपों का निर्माण** कर रही है।

विशेषताएँ

- तोपों में GPS-आधारित बंदूक रिकॉर्डिंग और ऑनबोर्ड बैलिस्टिक गणनाओं और ऑनबोर्ड थूथन वेग रिकॉर्डिंग के लिए एक उन्नत सामरिक कंप्यूटर के साथ एक जड़त्वीय नेविगेशन प्रणाली की सुविधा है।
- इसमें कैमरा, थर्मल इमेजिंग और लेजर रेंज फाइंडर के साथ एक **स्वचालित गन दृष्टि प्रणाली** भी है।

4. भारत के एयरक्राफ्ट कैरियर

रक्षा खरीद बोर्ड (DPB) ने विक्रांत जैसा **दूसरा एयरक्राफ्ट कैरियर** हासिल करने के नौसेना के प्रस्ताव पर चर्चा की।

परियोजना के बारे में

इस परियोजना की **अनुमानित लागत लगभग ₹40,000 करोड़** है, जिसमें सितंबर 2022 में चालू होने वाले देश के **पहले स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर (IAC)** INS विक्रांत के डिजाइन में कुछ संशोधन और उन्नयन होंगे, और इसका **निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड** (CSL) द्वारा भी किया जाएगा।

कला और संस्कृति

1. मानव विकास में बाधा (बॉटलनेक)

हाल ही में, साइंस में प्रकाशित एक **अध्ययन जनसंख्या बाधा से चिह्नित मानव विकास में एक महत्वपूर्ण अवधि पर प्रकाश डालता** है, जो हमारे शुरुआती पूर्वजों के सामने आने वाली चुनौतियों और आधुनिक मनुष्यों को आकार देने वाले आनुवंशिक परिवर्तनों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। चीन, इटली और अमेरिका के शोधकर्ताओं ने इस बाधा की जांच करने के लिए **फास्ट इनफिनिटेसिमल टाइम कोलेसेंट प्रोसेस (फिटकोल) नामक एक उपन्यास जीनोमिक विश्लेषण तकनीक का उपयोग किया।**

फ़िटकोल:	• यह आधुनिक मानव जीनोमिक अनुक्रमों का उपयोग करके प्राचीन जनसंख्या आकार और जनसांख्यिकीय इतिहास का **अनुमान लगाने की एक विधि है** और साइट फ़्रीक्वेंसी स्पेक्ट्रम (SFS) के लिए समग्र संभावना की गणना करती है, जो अनुक्रमों में एलील आवृत्तियों का वितरण है। • फिटकोल मानव विकासवादी इतिहास में गंभीर बाधाओं और प्रजाति की घटनाओं का पता लगा सकता है जिन्हें **जीवाश्म रिकॉर्ड से देखना मुश्किल** है।
जीनोम अनुक्रमण:	• जीनोम अनुक्रमण एक जीनोम में DNA न्यूक्लियोटाइड्स या आधारों के क्रम का पता लगा रहा है - एडेनिन, साइटोसिन, ग्वानिन और थाइमिन का क्रम जो एक जीव का DNA बनाते हैं। • जीनोम अनुक्रम एक मूल्यवान शॉर्टकट का प्रतिनिधित्व करेगा, जिससे **वैज्ञानिकों को जीन को अधिक आसानी से और तेज़ी से ढूंढने में मदद मिलेगी।** • जीनोम अनुक्रम में जीन कहां हैं, इसके बारे में कुछ सुराग होते हैं, भले ही वैज्ञानिक इन सुरागों की व्याख्या करना सीख रहे हों।

अध्ययन के मुख्य तथ्य क्या हैं?

जनसंख्या बाधा: जनसंख्या बाधा पर्यावरणीय घटनाओं या मानवीय गतिविधियों के कारण **जनसंख्या के आकार में तेजी से कमी आती है** जो आबादी के एक बड़े प्रतिशत को मार देती है या उसके प्रजनन को रोक देती है।

- इससे शेष आबादी की आनुवंशिक विविधता और बदलती परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की क्षमता कम हो जाती है।
- **अध्ययन से पता चलता है कि 800,000 से 900,000 साल पहले एक गंभीर जनसंख्या बाधा उत्पन्न हुई, जिससे मानव प्रजाति लगभग विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गई।**
- इस बाधा के दौरान, केवल लगभग 1,280 प्रजनन व्यक्तियों ने ही पूरी मानव आबादी का भरण-पोषण किया और यह स्थिति लगभग 117,000 वर्षों तक बनी रही।

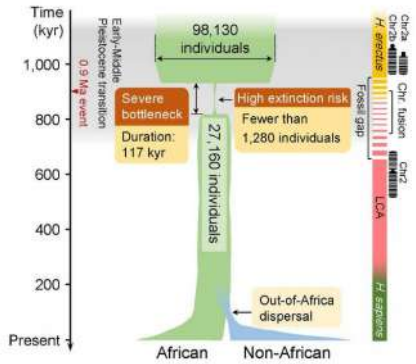

बॉटलनेक के कारण:

पर्यावरणीय कारक	**हिमनद की घटनाओं, तापमान में परिवर्तन और गंभीर सूखे** को मानव पैतृक आबादी के आकार में गिरावट के कारणों के रूप में सुझाया गया था। अध्ययन से पता चलता है कि लगभग 930,000-813,000 साल पहले, बॉटलनेक अवधि के दौरान मनुष्य संभवतः खतरनाक परिस्थितियों में बने रहे। अन्य प्रजातियों के नुकसान, जो पैतृक मनुष्यों के लिए संभावित भोजन स्रोत थे, ने भी बॉटलनेक में योगदान दिया।

आनुवंशिक विविधता का नुकसान	प्रारंभिक मानव पूर्वजों ने बॉटलनेक अवधि के दौरान **जीवन की महत्वपूर्ण हानि का अनुभव किया।** इसके परिणामस्वरूप आनुवंशिक विविधता का काफी नुकसान हुआ, अनुमान के मुताबिक प्रारंभिक से मध्य प्लेइस्टोसिन युग (दो मिलियन से 11,000 साल पहले) के दौरान मनुष्यों की वर्तमान आनुवंशिक विविधता का 65.85% संभावित रूप से नष्ट हो गई।
विशिष्टता घटना	मानव विकास में बॉटलनेक उत्पन्न करने वाली घटना के परिणामस्वरूप दो पैतृक गुणसूत्रों का संलयन हुआ, जिससे आधुनिक मनुष्यों में गुणसूत्र 2 का निर्माण हुआ, जो एक विशिष्ट लक्षण है जो अन्य प्राइमेट्स में नहीं पाया जाता है।

2. पश्चिम बंगाल ने पोइला बैसाख को राज्य स्थापना दिवस के रूप में अपनाया

• पश्चिम बंगाल विधान सभा ने हाल ही में बंगाली कैलेंडर के पहले दिन **'पोइला बैसाख' को 'बांग्ला दिवस' या पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस घोषित** करके एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया।	• इससे पहले 2023 में पश्चिम बंगाल के स्थापना दिवस को लेकर एक विवाद सामने आया था जब राजभवन ने आधिकारिक तौर पर **20 जून को राज्य स्थापना दिवस घोषित** किया था।
• **पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ने तर्क दिया कि 20 जून, जिसका संबंध विभाजन से है, राज्य की स्थापना के लिए प्रासंगिक नहीं है।**	• साथ ही, विधानसभा ने रवींद्रनाथ टैगोर के '**बांग्लार माटी बांग्लार जोल**' को पश्चिम बंगाल का आधिकारिक गीत बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी।

पोइला बैसाख क्या है?

पोइला बैसाख **पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, झारखंड और असम में बंगाली समुदायों** द्वारा मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह **बांग्लादेश में भी मनाया जाता** है। यह बंगाली नव वर्ष का प्रतीक है और **2023 में यह 15 अप्रैल को मनाया गया**।

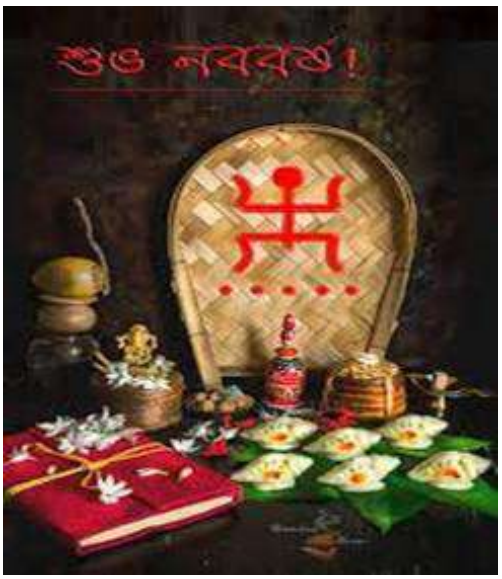

बंगाल के लिए 20 जून का क्या महत्व है?

- 20 जून, 1947 को बंगाल विधान सभा बंगाल के भविष्य के बारे में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए एकत्रित हुए।
- **उनके पास तीन विकल्प थे:**
  (a) संपूर्ण बंगाल को भारत के अंतर्गत रखना,
  (b) इसे बंगाली मुसलमानों और हिंदुओं के लिए क्रमशः पूर्वी बंगाल और पश्चिम बंगाल में विभाजित किया गया, या
  (c) इसे भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजित करना।
- महत्वपूर्ण दौर के मतदान के बाद, बंगाल को पश्चिम बंगाल और पूर्वी पाकिस्तान (जो बाद में बांग्लादेश बन गया) में विभाजित करने का निर्णय लिया गया और सीमा को चिह्नित करने के लिए बाद में **रेडक्लिफ रेखा** खींची गई।

मिसलेनियस (MISCELLANEOUS)

1. रेमन मैग्सेसे पुरस्कार

हाल ही में, असम में कछार कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (CCHRC) के निदेशक, सर्जिकल **ऑन्कोलॉजिस्ट पद्म श्री डॉ. आर. रवि कन्नन को 2023 का प्रतिष्ठित रेमन मैग्सेसे पुरस्कार मिला।**
उन्होंने अपने जन-केंद्रित और गरीब-समर्थक कार्यक्रमों (देखभाल करने वालों के लिए मुफ्त उपचार, भोजन, आवास और रोजगार की पेशकश) के माध्यम से **असम में कैंसर के उपचार में क्रांति लाने के लिए पुरस्कार जीता है**।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार के बारे में मुख्य तथ्य

- **1957 में एशिया के सर्वोच्च सम्मान** और प्रमुख पुरस्कार के रूप में स्थापित है।
- यह उन व्यक्तियों का जश्न मनाता है जो अपनी पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना एशिया के **लोगों की सेवा में असाधारण भावना प्रदर्शित करते** हैं।
- यह पुरस्कार **प्रतिवर्ष 31 अगस्त को प्रदान** किया जाता है, जो फिलीपींस गणराज्य के तीसरे राष्ट्रपति रेमन मैग्सेसे के जन्मदिन की याद में दिया जाता है, जिन्होंने इसके निर्माण को प्रेरित किया था।
- पुरस्कार विजेताओं को एक प्रमाण पत्र, रेमन मैग्सेसे की उभरी हुई छवि वाला **एक पदक और नकद पुरस्कार प्रदान** किया जाता है।
- इस पुरस्कार को **अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एशिया के नोबेल पुरस्कार समकक्ष के रूप में मान्यता प्राप्त** है।

मान्यता की श्रेणियाँ

• इस पुरस्कार में शुरुआत में **छह श्रेणियां** शामिल थीं, जिनमें "सरकारी सेवा", "सार्वजनिक सेवा", "सामुदायिक नेतृत्व", "पत्रकारिता, साहित्य और रचनात्मक संचार कला", "शांति और अंतर्राष्ट्रीय समझ", और "उभरता नेतृत्व" शामिल थीं।	• हालाँकि, 2009 के बाद, रेमन मैग्सेसे पुरस्कार अब **उभरता नेतृत्व को छोड़कर, निश्चित पुरस्कार श्रेणियों में नहीं दिया** जा रहा है।

2. 2023 सस्त्र रामानुजन पुरस्कार

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, **गणितज्ञ रुइज़ियांग झांग** को 2023 शास्त्र रामानुजन पुरस्कार प्राप्त होगा।

बारे में

• यह **पुरस्कार 2005 में शनमुघा कला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान अकादमी (SASTRA) द्वारा स्थापित** किया गया था।	• **SASTRA 2023, 10,000 डॉलर के नकद पुरस्कार** और दुनिया भर के उत्कृष्ट शोधकर्ताओं के लिए एक प्रशस्ति पत्र के साथ, तमिलनाडु में कुंभकोणम में SASTRA विश्वविद्यालय में दिसंबर के दौरान **संख्या सिद्धांत पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन** में दिया जाएगा।
• यह पुरस्कार **हर साल 22 दिसंबर** को दिया जाता है।	• **आयु सीमा: 32 वर्ष से कम** आयु जो रामानुजन के 32 वर्ष के संक्षिप्त जीवन में उनकी उपलब्धियों से प्रभावित है।

महत्त्व

- श्रीनिवास रामानुजन से प्रभावित गणित में अत्याधुनिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर गणित की दृश्यता बढ़ाने के लिए **युवा मष्तिष्क को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से SASTRA 2023 पुरस्कार की स्थापना** की गई है।
- इस पुरस्कार ने खुद को सबसे प्रमुख और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों में से एक के रूप में स्थापित किया है।

क्या आप जानते हैं?

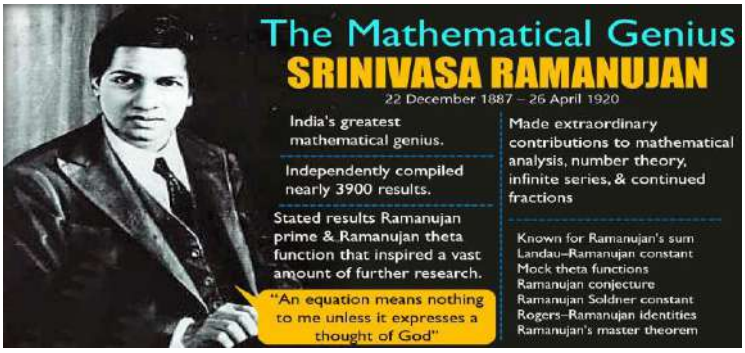

- **रामानुजन को गणितीय विश्लेषण, अनंत श्रृंखला, निरंतर भिन्न और संख्या सिद्धांत में उनके योगदान** के लिए याद किया जाता है। उन्होंने अपने स्वयं के प्रमेय भी खोजे और लगभग 3900 परिणाम स्वतंत्र रूप से संकलित किये।
- रामानुजन के पास विचारों का खजाना था जिसने 20वीं सदी के गणित को बदल दिया और नया आकार दिया।
- 22 दिसंबर, महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती को दिसंबर 2011 में भारत सरकार द्वारा "**राष्ट्रीय गणित दिवस (NMD)**" के रूप में नामित किया गया था।

3. प्रधान मंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

भारत सरकार का महिला एवं बाल विकास मंत्रालय बच्चों की ऊर्जा, दृढ़ संकल्प, क्षमता, जोश और उत्साह का जश्न मनाने के लिए प्रतिवर्ष प्रधान मंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार का आयोजन करता है।

प्रधान मंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

- **दो श्रेणियाँ**: प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार **दो श्रेणियों के अंतर्गत** दिया जाता है:
  (a) बाल शक्ति पुरस्कार, और
  (b) बाल कल्याण पुरस्कार

बाल शक्ति पुरस्कार

- **मान्यता**: यह हर साल विभिन्न क्षेत्रों जैसे नवाचार, शैक्षिक उपलब्धियों, सामाजिक सेवा, कला और संस्कृति, खेल और बहादुरी में **बच्चों की असाधारण उपलब्धियों** को मान्यता देने के लिए **भारत सरकार द्वारा दिया** जाता है।
- **पात्रता**: एक बच्चा जो भारतीय नागरिक है और भारत में रहता है और उसकी **आयु 5-18 वर्ष** के बीच है।
- **पुरस्कार**: एक पदक, 1,00,000 रुपये का नकद पुरस्कार, 10,000 रुपये के पुस्तक वाउचर, एक प्रमाण पत्र और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

- **पृष्ठभूमि**: इसे **1996 में असाधारण उपलब्धि** के लिए राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के रूप में स्थापित किया गया था, जिसे **2018 से बाल शक्ति पुरस्कार नाम दिया गया।**

MALUKA IAS

ALL INDIA

प्रीलिम्स टेस्ट सीरीज़

for UPSC CSE 2024

39 TEST

English | Hindi Medium

ONLINE | OFFLINE

~~₹10,000/-~~

₹2,999/-

+GST

99101-33084

www.malukaias.com

UPCOMING MAGAZINES

Releasing on
10th March 2024

Releasing on
05th May 2024

ALSO AVAILABLE

MRP ₹200/-

ISBN 935607263-9

99101-33084 www.malukaias.com